

Shri Raghunatha Temple MSS. Library,
428/61 JAMMU

No. १५६०

Title परिमलसौम्य

Author

Extent ४ पत्रा Age सं. १९४९

Subject सौम्य

नं. ५३२

शिवस्तोत्र

नं. १५७० ✓

26

5971

F-4

Complete



नं. १५६००
शिवरात्रि
४ म मार्च
२०००
नं. १५८९०

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॐ नमः शिवाय श्रीम
नरुचरचरणकमलेभ्यो नमः ॐ अतिभी
षणकुटुम्भाय नमः किं कर पटलीकृतता

शि० १

उ न परि पी उ न म र ण ग म स म ये
उ म र्ग स ह म म चे त सि य म शा स न
व स म् शिव शं क र शिव शं क र ह र मे

हरदुरितं१ अतिदुर्नयचतुलेन्द्रियरिपुं
संचयदलितेपविकर्कशकटजल्पितरव
लगूर्हराचलितेशिवयासहस्रमचेतसि श

शिः २

२

शिखरनिवसम् शिवशंकरशिवशंकरह

सुरंजन

रमेहरदुरितम् रम्यवमज्जिनैवलुवञ्चनपु

रहृन्दनुजान्तकमदनान्तकरविजान्तकम

गवन् गिरिजावरकरुणाकरपरमेश्वर
मयहन् शिवशंकरशिवशंकरहरमेहरदु
दितम् ३ शक्रशासनकुतशासनचतुराश्र

शि. ३

3

सविषये कवि विग्रह म न दुर्ग ह नृपदु

ह म समये द्विज दत्रिय वनिता शिशु दर

कंपित हृदये शिव शंकर शिव शंकर

माद्यशुद्धि लोहमायों मात्र प्र० १२ से ४९

© Dharmartha Trust. Digitized by eGangotri

शि. ४

५

February —



7.224